

प्रारंभिक परीक्षा

शरावती शेर जैसी पूंछ वाला मकाक (SHARAVATHI LION-TAILED MACAQUE) वन्यजीव

अभयारण्य

संदर्भ

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक विशेषज्ञ समिति ने शरावती शेर जैसी पूंछ वाले मकाक वन्यजीव अभयारण्य (Sharavathi Lion-Tailed Macaque Wildlife Sanctuary) के भीतर वन और गैर-वन भूमि के डायवर्जन (विपथन) पर चिंता व्यक्त करते हुए, प्रस्तावित शरावती पंड स्टोरेज प्रोजेक्ट को मंजूरी देने के खिलाफ सिफारिश की है।

शरावती शेर जैसी पूंछ वाले मकाक वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- **स्थान:** शिवमोगा (शिमोगा) जिला, कर्नाटक।
- **अपवाह (Drainage):** शरावती नदी द्वारा अपवाहित होता है; लिंगनमाक्की जलाशय (Linganamakki Reservoir) इसी अभयारण्य के भीतर स्थित है।
 - शरावती नदी द्वारा निर्मित प्रसिद्ध जोग जलप्रपात (Jog Falls) अभयारण्य की उत्तरी सीमा पर स्थित है।
- **वनस्पति और पेड़-पौधे:** उष्णकटिबंधीय सदाबहार, अर्ध-सदाबहार और नम पर्णपाती वन, साथ ही घास के मैदान और सवाना।
 - यहाँ धूप (Dhoopa), गुलमावु (Gulmavu), सुराहोन्ने (Surahonne), मावु (Mavu) और नंदी (Nandi) जैसी वृक्ष प्रजातियों की प्रचुरता है।
- **जीव-जंतु (Fauna):** किसी भी संरक्षित क्षेत्र में शेर जैसी पूंछ वाला मकाक (Lion-Tailed Macaque) की सबसे बड़ी ज्ञात आबादी की मेजबानी करता है।

चंद्रप्रभा वन्यजीव अभयारण्य

संदर्भ

शोधकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के चंद्रप्रभा वन्यजीव अभयारण्य में पौधों की बीमारियों पर एक अध्ययन के दौरान बीमारी पैदा करने वाले कवक (फंगस) के एक नए वंश (genus), 'हाइलोकमलोमायसीज' (Hyalokamalomyces) की खोज की है।

चंद्रप्रभा वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में स्थित यह अभयारण्य कैमूर रेंज के उत्तरी ढलानों पर स्थित है।
- इसका नाम चंद्रप्रभा नदी के नाम पर रखा गया है, जो कर्मनाशा नदी की सहायक नदी है, और कर्मनाशा आगे चलकर गंगा नदी में मिल जाती है।
- यहाँ 1958 में एशियाई शेरों को लाया गया था; 1969 तक उनकी आबादी 3 से बढ़कर 11 हो गई, लेकिन 1970 तक वे गायब हो गए।

- **वनस्पति:** मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन पाए जाते हैं जिनके बीच-बीच में घास के मैदान मौजूद हैं।

मानस टाइगर रिजर्व

संदर्भ

एक हालिया अध्ययन में पाया गया है कि 14 आक्रामक पादप प्रजातियों (invasive plant species) ने पिछले तीन दशकों में मानस टाइगर रिजर्व में 43% से अधिक घास के मैदानों (grassland) के नुकसान में योगदान दिया है।

मानस टाइगर रिजर्व के बारे में:

- असम में, पूर्वी हिमालय की तलहटी में स्थित है।
- **सीमाएँ:**
 - **उत्तर:** मानस नदी और उसकी सहायक नदियों, बेकी (Beki) और हकुआ (Hakua) द्वारा भूटान के रॉयल मानस नेशनल पार्क से अलग होता है।
 - **पश्चिम:** संकोश नदी द्वारा बुक्सा टाइगर रिजर्व (पश्चिम बंगाल) से अलग होता है।
- यह एक यूनेस्को (UNESCO) प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल, टाइगर रिजर्व, हाथी रिजर्व, बायोस्फीयर रिजर्व और महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA) होने का गौरव रखता है।
- **वनस्पति:** इसमें झाड़ीदार वन, अर्ध-सदाबहार वन, मिश्रित पर्णपाती वन, घास के मैदान और नदी तटीय (riparian) वनस्पति शामिल हैं।
- यह बाघ, विशाल एक सींग वाले गैंडे, दलदली हिरण (Swamp Deer), पिग्मी हॉग (Pygmy Hog) और बंगाल फ्लोरिकन सहित कई संकटग्रस्त प्रजातियों का घर है।

विशाल एक सींग वाला गैंडा (GREATER ONE-HORNED RHINOCEROS)

संदर्भ

केंद्र सरकार ने संरक्षण को मजबूत करने और वन्यजीव अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए विशाल एक सींग वाले गैंडे के लिए डीएनए-आधारित इंडेक्सिंग प्रणाली (DNA-based indexing system) को मंजूरी दी है।

विशाल एक सींग वाले गैंडे के बारे में

- **आवास:** दलदल, बाढ़ के मैदान, नदी के किनारे, जंगल और खनिज चाट (mineral licks) वाले क्षेत्रों सहित अर्ध-जलीय पारिस्थितिक तंत्रों में रहता है।
- **वितरण:** भारत और नेपाल में मुख्य रूप से हिमालय की तलहटी में पाया जाता है; असम का काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान दुनिया की सबसे बड़ी आबादी का समर्थन करता है।
- **विशेषताएं:** इसकी विशेषता एक एकल काला सींग और प्रमुख परतों (folds) वाली धूसर-भूरी, मोटी त्वचा है, जो इसे कवच-प्लेटेड (armour-plated) रूप देती है।

- **व्यवहार:** आमतौर पर अकेला रहने वाला (solitary) जीव है; मादाएं शावकों के साथ रहती हैं, जबकि नर शिथिल रूप से सुरक्षित क्षेत्रों (territories) पर कब्जा करते हैं।
- **आहार:** शाकाहारी, जो घास, पत्तियां, फल, शाखाएं, जलीय वनस्पति और खेती की जाने वाली फसलों को खाता है।
- **प्रमुख खतरा:** ऐतिहासिक रूप से अवैध शिकार/शिकार से खतरा रहा है, विशेष रूप से इसके सींग के लिए।
- **IUCN रेड लिस्ट:** सुभेद्य (Vulnerable)
- **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम (WPA):** अनुसूची I
- **CITES:** परिशिष्ट I

खावथलांगतुइपुई नदी (कर्णफुली नदी)

संदर्भ

भारी मानसूनी बारिश के कारण खावथलांगतुइपुई नदी (Khawthlangtuipui River) उफान पर आ गई।

खावथलांगतुइपुई नदी के बारे में

- यह एक सीमा-पार (transboundary) नदी है जो भारत के मिजोरम से निकलती है, बांग्लादेश में बहती है, और बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले निचले प्रवाह में कर्णफुली नदी के नाम से जानी जाती है।
- **स्रोत:** उत्तरी मिजोरम की लुशाई (मिजो) पहाड़ियों से निकलती है।
- **प्रमुख सहायक नदियाँ:** तुइचांग और कैरुआंग (भारत); कसालोंग और चेंगी (बांग्लादेश)।
- **जलाशय:** इस नदी पर बना कप्ताई बांध (Kaptai Dam) कप्ताई झील का निर्माण करता है।
- **बंदरगाह:** इसका निचला मार्ग चटगाँव बंदरगाह (Chattogram Port) के लिए एक महत्वपूर्ण नौवहन चैनल के रूप में कार्य करता है, जो बांग्लादेश का सबसे बड़ा समुद्री बंदरगाह है।
- तलाबुंग (Tlabung) के पास एक प्रस्तावित सीमा-पार पुल का उद्देश्य भारत और बांग्लादेश के बीच कनेक्टिविटी और द्विपक्षीय व्यापार में सुधार करना है।
 - यह स्थलरुद्ध (landlocked) मिजोरम को चटगाँव बंदरगाह तक संभावित पहुँच प्रदान करता है।

श्री मूकाम्बिका मंदिर

संदर्भ

कर्नाटक सरकार ने केरल से मंदिर के अनुष्ठानों में उपयोग के लिए श्री मूकाम्बिका मंदिर को एक पालतू मादा हाथी के दान की सुविधा प्रदान करने का अनुरोध किया है।

श्री मूकाम्बिका मंदिर के बारे में

- कर्नाटक के उडुपी जिले के कोल्लूर में पश्चिमी घाट की तलहटी में स्थित है।

- देवी मूकाम्बिका को समर्पित है, जिन्हें आदि शक्ति के रूप में पूजा जाता है, जो शक्ति, लक्ष्मी और सरस्वती का अवतार हैं।
- मुख्य पीठासीन देवता की पूजा एक एकीकृत शक्ति अवधारणा वाले ज्योतिर्लिंग (लिंग) के रूप में की जाती है।
- माना जाता है कि इसे आदि शंकराचार्य द्वारा प्रतिष्ठित किया गया था, जिससे यह शाक्त पूजा का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया।
- केलाडी नायक राजवंश (Keladi Nayaka Dynasty), विशेष रूप से संकन्ना नायक और शिवप्पा नायक से महत्वपूर्ण संरक्षण प्राप्त हुआ, जिन्होंने मंदिर का जीर्णोद्धार किया और इसे अनुदान प्रदान किए।

वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (FIU-IND)

संदर्भ

वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (FIU-IND) ने बड़े पैमाने पर हुए साइबर धोखाधड़ी के मामले की जांच के लिए 'बेस्ट एमॉन्ट केस अवार्ड (BECA) 2026' में रनर-अप का स्थान हासिल किया।

वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (FIU-IND) के बारे में

- 2004 में भारत सरकार द्वारा स्थापित।
- संदिग्ध वित्तीय लेनदेन से संबंधित जानकारी प्राप्त करने, संसाधित करने, उनका विश्लेषण करने और प्रसारित करने के लिए राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में कार्य करती है।
- एक स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करती है जो सीधे आर्थिक आसूचना परिषद (EIC) को रिपोर्ट करती है, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री करते हैं।
- कार्य:
 - नकद लेनदेन रिपोर्ट (CTRs), संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (STRs), सीमा-पार वायर ट्रांसफर रिपोर्ट (CBWTRs), गैर-लाभकारी संगठन लेनदेन रिपोर्ट (NTRs), और अचल संपत्ति रिपोर्ट (IPRs) जैसी रिपोर्ट प्राप्त करके वित्तीय खुफिया जानकारी के केंद्रीय भंडार के रूप में कार्य करना।
 - मनी लॉन्ड्रिंग, टेरर फाइनेंसिंग और अन्य वित्तीय अपराधों का पता लगाने के लिए वित्तीय डेटा का विश्लेषण करना।

इंटरपोल नोटिस (INTERPOL NOTICES)

संदर्भ

अमेरिकी न्याय विभाग (DOJ) और संघीय जांच ब्यूरो (FBI) ने भारतीय एजेंसियों के सहयोग से भारत आधारित अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट को निशाना बनाते हुए एक बहुराष्ट्रीय कार्रवाई, 'ऑपरेशन हार्डबॉल' (Operation Hardball) शुरू की है।

इंटरपोल नोटिस के बारे में

- इंटरपोल (अंतराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन) की स्थापना 1923 में सदस्य देशों के बीच पुलिस सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए की गई थी।

- यह आपराधिक खुफिया जानकारी साझा करने और वांछित अपराधियों, लापता व्यक्तियों तथा सुरक्षा खतरों का पता लगाने में सहायता करता है।

इंटरपोल नोटिस के प्रकार

- **रेड नोटिस (Red Notice):** प्रत्यर्पण (extradition) के लिए वांछित व्यक्ति की स्थिति और अनंतिम गिरफ्तारी की मांग करता है; यह कोई अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट नहीं है।
- **ब्लू नोटिस (Blue Notice):** आपराधिक जांच में शामिल किसी व्यक्ति के बारे में अतिरिक्त जानकारी एकत्र करता है।
- **ग्रीन नोटिस (Green Notice):** सदस्य देशों को उन व्यक्तियों के बारे में चेतावनी देता है जिनके अपराध करने की संभावना होती है।
- **येलो नोटिस (Yellow Notice):** लापता व्यक्तियों का पता लगाने या अपनी पहचान बताने में असमर्थ व्यक्तियों की पहचान करने में मदद करता।
- **ब्लैक नोटिस (Black Notice):** अज्ञात शवों की जानकारी मांगता है।
- **ऑरेंज नोटिस (Orange Notice):** व्यक्तियों, वस्तुओं या घटनाओं द्वारा उत्पन्न आसन्न खतरों की चेतावनी देता है।
- **पर्पल नोटिस (Purple Notice):** आपराधिक तरीकों, छिपाने की तकनीकों और उपकरणों पर जानकारी साझा करता है।
- पारंपरिक गिरोहों का स्थान वैश्विक स्तर पर जुड़े आपराधिक सिंडिकेट्स ने ले लिया है।

भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण ढांचा

- भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण प्रत्यर्पण संधि (1997) और प्रत्यर्पण अधिनियम, 1962 द्वारा शासित होता है।
- यह 'दोहरे अपराध' (dual criminality) के सिद्धांत पर आधारित है, जिसके तहत अपराध दोनों देशों में दंडनीय होना आवश्यक है।
- प्रत्यर्पण पर अंतिम निर्णय कानूनी जांच के बाद संबंधित सरकारों द्वारा लिया जाता है।

हीलियम

संदर्भ

चीन ने हीलियम निर्यात पर तत्काल अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है।

हीलियम के बारे में

- हीलियम (He) एक अक्रिय (inert), अज्वलनशील (non-combustible) और गैर-नवीकरणीय उत्कृष्ट गैस (noble gas) है।
- इसकी खोज 1868 में जूलस जानसेन और नॉर्मन लॉकयर द्वारा सूर्य ग्रहण के दौरान एक पीली वर्णक्रमीय रेखा (spectral line) के अवलोकन के माध्यम से की गई थी।

- **निर्माण:** पृथ्वी की पपड़ी (crust) में यूरेनियम और थोरियम के रेडियोधर्मी क्षय के माध्यम से प्राकृतिक रूप से निर्मित होती है, जहाँ उत्सर्जित अल्फा कण हीलियम परमाणु बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनों को ग्रहण करते हैं।
- **सबसे बड़े भंडार:** संयुक्त राज्य अमेरिका, अल्जीरिया और रूस।
- भारत में, राजमहल ज्वालामुखी बेसिन (झारखंड) एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक हीलियम भंडार है।

गुण

- हाइड्रोजन के बाद दूसरा सबसे हल्का तत्व।
- इसका क्वथनांक (boiling point) अत्यधिक निम्न (-268.9°C) होता है, जिससे यह बहुत कम तापमान पर भी गैसीय अवस्था में बना रहता है।
- गैर-विषाक्त (non-toxic) है, लेकिन श्वसन का समर्थन नहीं कर सकता क्योंकि यह ऑक्सीजन को विस्थापित कर देता है।
- एकमात्र ऐसा तत्व जिसे सामान्य वायुमंडलीय दबाव पर केवल ठंडा करके ठोस नहीं बनाया जा सकता।

अनुप्रयोग

- एमआरआई (MRI) मशीनों, सेमीकंडक्टर निर्माण और क्वांटम कंप्यूटिंग में शीतलक (coolant) के रूप में उपयोग किया जाता है।
- इंजीनियरिंग प्रणालियों में रिसाव का पता लगाने (leak detection) के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
- तेजी से ठंडा करने और गैस के बुलबुले बनने से रोकने के लिए ऑप्टिकल फाइबर निर्माण में आवश्यक है।
- रॉकेट ईंधन टैंकों को दबावयुक्त (pressurise) करने के लिए इसरो (ISRO), नासा (NASA) और स्पेसएक्स (SpaceX) द्वारा उपयोग किया जाता है।
- वैज्ञानिक अनुसंधान में और गुब्बारों तथा हवाई जहाजों (airships) को फुलाने के लिए भी उपयोग किया जाता है।

मौलिक अधिकारों का क्षैतिज अनुप्रयोग (HORIZONTAL APPLICATION OF FUNDAMENTAL RIGHTS)

संदर्भ

दिल्ली उच्च दिल्ली न्यायालय ने फैसला सुनाया कि निजी मीडिया घराने एक सार्वजनिक कार्य करते हैं और किसी व्यक्ति के गोपनीयता के अधिकार (Right to Privacy) का उल्लंघन करने के लिए उनके खिलाफ अनुच्छेद 226 के तहत कार्रवाई की जा सकती है, जो मौलिक अधिकारों के क्षैतिज अनुप्रयोग को सुदृढ़ करता है।

उर्ध्वाधर बनाम क्षैतिज अनुप्रयोग (Vertical vs Horizontal Application)

उर्ध्वाधर अनुप्रयोग (Vertical Application)	क्षैतिज अनुप्रयोग (Horizontal Application)
केवल राज्य के विरुद्ध प्रवर्तनीय (Enforceable)	सार्वजनिक कार्य करने वाले निजी व्यक्तियों/गैर-राज्य संस्थाओं के विरुद्ध प्रवर्तनीय

संविधान के भाग III के तहत सामान्य नियम	केवल संविधान या न्यायालयों द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट स्थितियों में लागू होता है
उदाहरण: अनुच्छेद 14 के तहत राज्य की मनमानी कार्रवाई को चुनौती देना	उदाहरण: गोपनीयता का उल्लंघन करने के लिए किसी निजी मीडिया घराने को चुनौती देना

क्षैतिज अनुप्रयोग वाले मौलिक अधिकार:

- **अनुच्छेद 15(2):** दुकानों, सार्वजनिक रेस्तरां, कुओं, सड़कों आदि तक पहुंच में भेदभाव को प्रतिबंधित करता है, जो निजी व्यक्तियों के खिलाफ प्रवर्तनीय है।
- **अनुच्छेद 17:** अस्पृश्यता का उन्मूलन; राज्य और निजी व्यक्तियों दोनों के खिलाफ प्रवर्तनीय है।
- **अनुच्छेद 23:** मानव तस्करी और जबरन/बंधुआ श्रम का निषेध; राज्य और निजी व्यक्तियों दोनों के खिलाफ प्रवर्तनीय।
- **अनुच्छेद 21 (न्यायिक विस्तार के रूप में):** गोपनीयता का अधिकार अब सार्वजनिक कार्य करने वाले निजी मीडिया घरानों के खिलाफ प्रवर्तनीय है।
- **अनुच्छेद 24:** बाल श्रम का निषेध।

अतिरिक्त जानकारी

- **निजता का अधिकार:** K.S. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ (2017) मामले में सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने इसे अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता) का अहम हिस्सा माना है; इसके मुख्य तत्वों में व्यक्तिगत स्वायत्तता, पसंद की आजादी और अपनी जानकारी पर अपना नियंत्रण शामिल है।
- **अनुच्छेद 19(1)(a) – वाक स्वतंत्रता:** केवल नागरिकों को उपलब्ध है; अनुच्छेद 19(2) के तहत उचित प्रतिबंधों के अधीन- राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता/नैतिकता, न्यायालय की अवमानना, मानहानि, किसी अपराध के लिए उकसाना, और भारत की संप्रभुता/अखंडता।
- **अनुच्छेद 226:** उच्च न्यायालयों को न केवल राज्य के खिलाफ बल्कि सार्वजनिक कर्तव्यों का पालन करने वाले प्राधिकरणों/निजी निकायों के खिलाफ भी रिट जारी करने का अधिकार देता है।
- **कौशल किशोर बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2023):** सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने माना था कि कुछ मौलिक अधिकार निजी व्यक्तियों के खिलाफ क्षैतिज रूप से लागू हो सकते हैं।

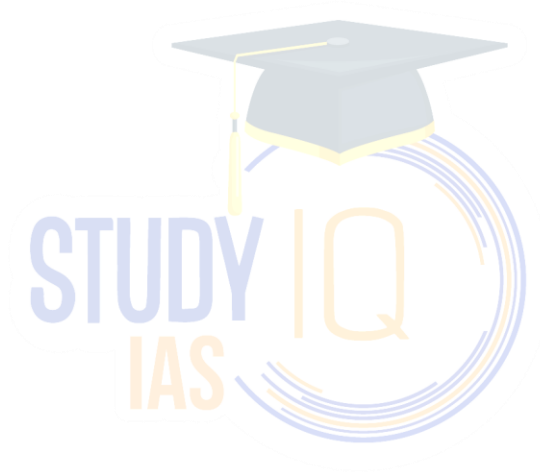
फू क्वोक द्वीप (पर्ल द्वीप)

संदर्भ

वियतनाम में फू क्वोक द्वीप (Phu Quoc Island) के पास खराब समुद्री परिस्थितियों के बीच होन मे रुत द्वीप से आन थोई बंदरगाह की यात्रा के दौरान एक स्पीडबोट के पलटने से कम से कम 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई।

फू क्वोक द्वीप(Phu Quoc Island) के बारे में

- फू क्वोक (पर्ल आइलैंड) वियतनाम का सबसे बड़ा द्वीप है, जो थाईलैंड की खाड़ी में स्थित है।
- मुख्य भूमि वियतनाम की तुलना में कंबोडिया के करीब स्थित है।
- एक महत्वपूर्ण हिस्सा फू क्वोक नेशनल पार्क, एक यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व के तहत संरक्षित है।
- माउंट चुआ (630 मीटर) द्वीप का उच्चतम बिंदु है।



मुख्य परीक्षा

भारत के सहकारी आंदोलन की पुनर्कल्पना

संदर्भ

सहकारिता मंत्रालय (Ministry of Cooperation) की स्थापना के पांच वर्ष पूरे होने पर, यह न केवल अब तक की उपलब्धियों का आकलन करने का, बल्कि यह भी तय करने का एक उपयुक्त समय है कि भारत के सहकारी आंदोलन (cooperative movement) के अगले चरण को क्या परिभाषित करना चाहिए।

पिछले पांच वर्षों में भारत का सहकारी आंदोलन कैसे विकसित हुआ है?

- **संस्थागत सुधार और नीतिगत समर्थन:** सहकारिता मंत्रालय ने शासन (governance) और व्यापार करने में आसानी (ease of doing business) को बढ़ाते हुए कानूनी, संस्थागत और राजकोषीय (fiscal) सुधारों के माध्यम से सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र (cooperative ecosystem) को मजबूत किया है।
 - **उदाहरण:** कर युक्तिकरण (tax rationalisation) और 'नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड' (National Cooperative Exports Limited) तथा 'भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड' जैसी नई राष्ट्रीय सहकारी संस्थाओं की स्थापना सहित 152 से अधिक पहलें शुरू की गई हैं।
- **पीसीएस (PACS) का बहु-सेवा संस्थानों में परिवर्तन:** प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (PACS) ग्रामीण ऋण संस्थानों से आगे बढ़कर वित्तीय, कृषि, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल सेवाएं प्रदान करने वाले एकीकृत सेवा केंद्रों के रूप में विकसित हुई हैं।
 - **उदाहरण:** मॉडल उपनियम (Model bye-laws) अब PACS को 25+ व्यावसायिक गतिविधियां करने में सक्षम बनाते हैं, जबकि हजारों PACS पीएम किसान समृद्धि केंद्र (PM Kisan Samridhi Kendras), सीएससी (CSCs) और जन औषधि केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।
- **सहकारी शासन का डिजिटलीकरण:** प्रौद्योगिकी ने सहकारी संस्थाओं के एंड-टू-एंड (end-to-end) डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से पारदर्शिता, परिचालन दक्षता और सेवा वितरण में सुधार किया है।
 - **उदाहरण:** 63,000 से अधिक PACS ने ईआरपी (ERP) सॉफ्टवेयर अपनाया है, जिसमें ऑनलाइन ऑडिट और बहुभाषी डिजिटल प्लेटफॉर्म शासन सुधारों का समर्थन करते हैं।
- **विविधीकरण और बाज़ार एकीकरण:** सहकारी समितियों ने पारंपरिक ऋण और डेयरी से आगे बढ़कर निर्यात, जैविक खेती, बीज उत्पादन, रसद (logistics) और प्लेटफॉर्म-आधारित सेवाओं में विस्तार किया है, जिससे मूल्य शृंखलाओं (value chains) को मजबूती मिली है।
 - **उदाहरण:** 'नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड' ने 38 देशों में सहकारी उत्पादों का निर्यात किया है, जबकि 'भारत टैक्सी' (Bharat Taxi) भारत के पहले सहकारी-आधारित गतिशीलता (mobility) प्लेटफॉर्म के रूप में उभरी है।

- **ग्रामीण बुनियादी ढांचे और किसान समूहों (Collectives) को मजबूत करना:** सहकारी आंदोलन ने कृषि उत्पादकता और किसानों की आय में सुधार के लिए ग्रामीण बुनियादी ढांचे, भंडारण क्षमता और उत्पादक संगठनों (producer organisations) को बढ़ाया है।

- **उदाहरण:** PACS के माध्यम से विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण, FPOs (किसान उत्पादक संगठनों) का विस्तार, और 'श्वेत क्रांति 2.0' (White Revolution 2.0) ने कृषि मूल्य शृंखलाओं को मजबूत किया है।

भारत के सहकारी क्षेत्र के सामने प्रमुख चुनौतियां क्या हैं?

- **सदस्यों की कमजोर भागीदारी और संप्रांत वर्ग का कब्जा (Elite Capture):** निष्क्रिय सदस्यता ने लोकतांत्रिक नियंत्रण को कमजोर कर दिया है, जिससे राजनीतिक अभिनेताओं, स्थानीय अभिजात वर्ग और बिचौलियों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। यह सदस्य स्वामित्व (member ownership) के सहकारी सिद्धांत को कमजोर करता है और बिचौलियों के मध्यस्थता (disintermediation) को कम करता है।
 - **उदाहरण:** कई महाराष्ट्र की सहकारी समितियों में, राजनीतिक रूप से प्रभावशाली अभिजात वर्ग ने सहकारी बोर्डों पर कब्जा कर लिया, छोटे गन्ना किसानों के लिए लक्षित लाभों को डायवर्ट (divert) किया और बिचौलियों को खत्म करने के सहकारी उद्देश्य को कमजोर किया।
- **शासन (Governance) की कमी और विनियामक जटिलता:** राजनीतिक हस्तक्षेप, चुनाव में देरी और अतिव्यापी (overlapping) विनियामक निरीक्षण ने विशेष रूप से सहकारी बैंकिंग संस्थानों में पेशेवर शासन और जवाबदेही को कमजोर कर दिया है।
 - **उदाहरण:** 'पीएमसी बैंक संकट' (PMC Bank crisis) ने दोहरे विनियमन (dual regulation) से उत्पन्न होने वाली कमजोरियों को उजागर किया, जिसके कारण बैंकिंग विनियमन (संशोधन) अधिनियम, 2020 के तहत आरबीआई (RBI) की मजबूत निगरानी हुई।
- **कमजोर वित्तीय स्थिरता और ऋण अनुशासन (Credit Discipline) का क्षरण:** खराब शासन, कम पूंजी निर्माण और बार-बार कृषि ऋण माफी ने पुनर्भुगतान (repayment) प्रोत्साहन को कमजोर कर दिया है, एनपीए (NPAs) में वृद्धि की है और सहकारी ऋण संस्थानों के वित्तीय स्वास्थ्य को विवश किया है।
 - **उदाहरण:** ओडिशा में कई DCCBs अभी भी 5% से ऊपर सकल एनपीए (Gross NPAs) की रिपोर्ट कर रहे हैं, जो लगातार वसूली चुनौतियों को दर्शाता है।
- **कमजोर फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज:** गुणवत्तापूर्ण इनपुट, भंडारण, प्रसंस्करण, रसद और विपणन (marketing) तक सीमित पहुंच मूल्यवर्धन (value addition) और बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता को कम करती है।
 - **उदाहरण:** भारत की लगभग 92% कोल्ड-स्टोरेज क्षमता निजी स्वामित्व में है, जबकि लगभग 75% आलू के लिए समर्पित है, जो विविध कृषि मूल्य शृंखलाओं को सीमित करता है।
- **पेशेवर और तकनीकी कमी:** अपर्याप्त प्रबंधकीय क्षमता और असमान डिजिटल अपनाने (digital adoption) से परिचालन दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाती है।

- **उदाहरण:** यूपीका (UPICA - उत्तर प्रदेश) जैसी राज्य-स्तरीय शीर्ष बुनकर समितियों ने ईआरपी सिस्टम और ई-कॉमर्स को धीमी गति से अपनाने के कारण इन्वेंट्री पाइल-अप (inventory pile-ups) और वित्तीय नुकसान का सामना किया है।
- **सहकारी विकास की असमान राजनीतिक अर्थव्यवस्था:** जिस संरचनाओं (commodity structures), बाजार लिंकेज और संस्थागत पारिस्थितिक तंत्र में अंतर के कारण सहकारी समितियों की सफलता विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न होती है, जिसके परिणामस्वरूप असमान सहकारी विकास होता है।
 - **उदाहरण:** गुजरात और महाराष्ट्र में डेयरी तथा चीनी सहकारी समितियों को नियमित नकदी प्रवाह (cash flows) और एकीकृत मूल्य शृंखलाओं से लाभ होता है, जबकि अनाज-बहुल क्षेत्र अक्सर बिचौलियों और राज्य के समर्थन पर निर्भर रहते हैं।

आगे की राह: भारत के सहकारी आंदोलन की पुनर्कल्पना

- **लोकतांत्रिक शासन और संस्थागत स्वायत्तता को मजबूत करना:** सभ्रान्त वर्ग के कब्जे (elite capture) को रोकने के लिए स्वतंत्र चुनाव, पेशेवर प्रबंधन और कम राजनीतिक हस्तक्षेप के माध्यम से सदस्य-संचालित शासन को बहाल करना।
 - **उदाहरण:** वैद्यनाथन समिति (Vaidyanathan Committee) की सिफारिशों को लागू करना, एक स्वतंत्र सहकारी चुनाव प्राधिकरण (Independent Cooperative Election Authority) की स्थापना करना, और निर्वाचित निदेशक मंडल (Board of Directors) के कार्यों को पेशेवर प्रबंधन मंडल (Board of Management) से अलग करना।
- **डिजिटल परिवर्तन और वित्तीय समावेशन (Financial Inclusion) को गहरा करना:** इंटरऑपरेबल डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारदर्शिता, वित्तीय पहुंच और सेवा वितरण में सुधार के लिए सहकारी संस्थाओं का डिजिटलीकरण पूरा करना।
 - **उदाहरण:** PACS के कम्प्यूटरीकरण को पूरा करना, सहकारी समितियों को 'राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस' (National Cooperative Database) के साथ एकीकृत करना और निर्बाध वित्तीय लेनदेन के लिए 'जैम ट्रिनिटी' (JAM Trinity) का लाभ उठाना।
- **सहकारी मूल्य शृंखलाओं और बाजार पहुंच (Market Access) को मजबूत करना:** ब्रांडिंग, प्रसंस्करण (processing), भंडारण और प्रत्यक्ष बाजार पहुंच को बढ़ावा देकर फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज में सुधार करना, जिससे सहकारी समितियाँ 'इकोनॉमीज ऑफ स्केल' (economies of scale) का एहसास कर सकें।
 - **उदाहरण:** प्रत्यक्ष अंतर-सहकारी व्यापार (inter-cooperative trade) की सुविधा के लिए सहकारी समितियों को ओएनडीसी (ONDC) के साथ एकीकृत करना और किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) को मजबूत करना।
- **हरित और प्रौद्योगिकी-सक्षम सहकारी समितियों को बढ़ावा देना:** नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु-स्मार्ट कृषि (climate-smart agriculture) और साझा कृषि बुनियादी ढांचे को सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करके ग्रामीण आय में विविधता लाना।

- **उदाहरण:** पीएम-कुसुम (PM-KUSUM) के तहत PACS को नवीकरणीय ऊर्जा हब में बदलना, 'कस्टम हायरिंग सेंटर' (CHCs) स्थापित करना, और नमो ड्रोन दीदी (Namo Drone Didi) जैसी पहलों का लाभ उठाना।
- **सहकारी प्रबंधन को पेशेवर बनाना (Professionalise):** लोकतांत्रिक स्वामित्व (democratic ownership) को संरक्षित करते हुए दक्षता में सुधार के लिए एक विशेष 'प्रतिभा पाइपलाइन' (talent pipeline) का निर्माण करना और प्रबंधकीय क्षमता को मजबूत करना।
 - **उदाहरण:** इर्मा आनंद (IRMA Anand), वैमनिकॉम (VAMNICOM), और आईआईएम (IIMs) से पेशेवरों की भर्ती करना, साथ ही राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद (NCCT) के माध्यम से निरंतर क्षमता निर्माण को मजबूत करना।

